आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–28 जून 2024 सान्ध्य समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेत और मोरंग के स्थान पर मैन्युफेक्चर्ड सैंड को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार अतिशीघ्र मैन्युफेक्चर्ड सैंड नीति लागू करने जा रही है, जिससे प्राकृतिक रेत और मोरंग के स्थान पर एक नये विकल्प की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। आज लखनऊ में खनन विभाग के साथ प्रस्तावित नीति पर विमर्श करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण और नदियों के ईको सिस्टम को बिना नुकसान पहुंचाये सतत् विकास को गति दी जानी चाहिए। इस दृष्टि से मैन्युफेक्चर्ड सैंड एक बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि मैन्युफेक्चर्ड सैंड के गुणवत्ता मानकों को बनाये रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसमें जीवन और सुरक्षा शामिल है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी मैन्युफेक्चर्ड सैंड निर्माता अपने उत्पाद के लिये बीआईएस प्रमाणीकरण अनिवार्य रूप से प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि खनन विभाग इस कार्य में नोडल विभाग की भूमिका निभायेगा। वह मैन्युफेक्चर्ड सैंड के शीघ्र उत्पादन के लिये राज्य और जिला स्तर पर अनुज्ञप्ति धारकों और हितधारकों से समन्वय स्थापित करायेगा। उन्होंने इस कार्य में पर्यावरण मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि उप खनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों की रीयल टाइम ट्रैकिंग के लिये व्हिकल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया जाए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान ईंट–भट्ठे लगाये जाने के लिये उर्वर भूमि के स्थान पर बंजर भूमि का उपयोग किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह इसके लिये उद्यमियों से संवाद करें। श्री योगी ने बरसात के मौसम में बालू और मोरंग की कीमतों को नियंत्रित रखने पर जोर देते हुए उनके भण्डारण की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने की समीक्षा भी की।

****

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी–एनटीए में सुधारों की सिफारिश के लिए शिक्षा मंत्रालय की ओर से गठित विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति ने छात्रों और अभिभावकों से सुधार और पुनर्गठन पर सुझाव मांगे हैं। समिति का नेतृत्व इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन कर रहे हैं। समिति माई जीओवी वेबसाइट के माध्यम से सात जुलाई तक सुझाव और प्रतिक्रियाएं स्वीकार करेगी। समिति को दो महीने के भीतर शिक्षा मंत्रालय को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है, जिसमें परीक्षा प्रक्रिया और डेटा सुरक्षा प्रणाली में सुधार तथा एनटीए की संरचना और कार्यशैली पर सिफारिशें की जाएंगी।

****

उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि नए आपराधिक कानून ब्रिटिश काल से चले आ रहे कानूनों की जगह लेंगे, जिससे देश की न्याय प्रक्रिया और मजबूत बनेगी। नए कानून एक जुलाई से लागू होंगे इसके लिये प्रदेश में सारी तैयारी पूरी कर ली गयी हैं। श्री कुमार ने कहा कि प्रदेश में नए कानूनों का सही तरीके से अनुपालन हो सके इसके लिए अधिकारियों का प्रशिक्षण सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है।

****

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद परिषदीय स्कूल आज से खोल दिये गये हैं। पहले दिन स्कूलों में आने वाले विद्यार्थियों का शिक्षकों ने तिलक लगाकर और माला पहना कर स्वागत किया। कुछ स्कूलों में सांस्कृतिक आयोजन भी किये गये। शासन के निर्देश पर सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के स्वागत की विशेष तैयारी की गयी थी। स्कूलों को रंगोली, झंडियों और गुब्बारों से सजाया गया था। शासन ने आज और कल दो घंटे ही स्कूल संचालित करने का निर्णय लिया है। एक जुलाई से नियमित कक्षायें चलेंगी।

****

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग–एनएचआरसी ने ग्रेटर नोएडा में एक सीवेज उपचार संयंत्र के अंदर तीन श्रमिकों की कथित मौत पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। मीडिया की एक खबर पर स्वतः संज्ञान लेते हुए आयोग ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी रविवार यानी तीस जून को सुबह ग्यारह बजे आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में देश और विदेश में लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह इस रेडियो कार्यक्रम की एक सौ ग्यारहवीं कड़ी होगी।

****

सुल्तानपुर में कल देर शाम गोमती नदी में नहाते समय चार बच्चे डूब गये। इनमें से एक बच्चे को तत्काल प्रभाव से बचा लिया गया बाकी तीन बच्चों को नहीं बचाया जा सका। इन तीन बच्चों के शव स्थानीय गोताखोरों की मदद से एसडीआरएफ की टीम ने आज नदी से बाहर निकाले। तीनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

****

प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। अधिकांश जिलों में रूक–रूक कर बारिश होने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। अधिकांश जिलों में अभी भी बादल जमे हुए हैं और वर्षा की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिन तक बादलों के छाये रहने और रूक–रूक कर वर्षा होने का पूर्वानुमान है। इसके चलते अधिकतम से लेकर न्यूनतम तापमान तक में गिरावट दर्ज की जायेगी। नेपाल के तराई जिलों में मध्यम से लेकर भारी वर्षा का पूर्वानुमान मौसम विज्ञानियों ने जताया है।

****